

एक्सिस बैंक फाउंडेशन समर्थित ग्रामीण
आजीविका परियोजनाओं के सर्वोत्तम अभ्यास

ग्रामीण आजीविका

पशुपालन

सिरोही बकरियों की नस्ल में गुणवत्ता और सुधार कैसे कायम रखें?



इस प्लेबुक की क्या आवश्यकता है?

बकरी पालन ग्रामीण, लघु, सीमांतर और भूमिहीन समुदायों के लिये आदमी का एक महत्वपूर्ण स्रोत हो सकता है और इसके लिये महिलाओं को प्रोत्साहित किया जा सकता है। आने वाले वर्षों में, बकरीओ कि उच्च आने वाले वृषों में, बकरियों की उच्च उत्पादन नस्ल को बढ़ावा देकर मुनाफ़े को अधिकतम बढ़ाया जा सकता है।



पश्चिमी भारत में सिरोही नस्ल के दो फायदे हैं।

- ★ बाजार में मिश्रित नस्ल की बकरियों की तुलना में शुद्ध नस्ल की बकरियों की कीमत में वृद्धि हुई है।
- ★ गर्भाधान के लिए शुद्ध नस्ल के नर को ऋण/किराए पर देने का अवसर



बकरी की नस्लों में शुद्धता क्यों रखें?

अभी, जागरुकता की कमी और लपरवाही के कारण, कई बकरी पालकों के पास मिश्रीत नसल की ही बकरी है।

✘ मिश्रीत नसल की बकरी के ज्यादा फ़ायदे नहीं होते। पश्चिमी भारत में सिरोही नसल बाजार में मांग है। लगभग ₹३० हजार की शुद्ध सिरोही नसल की बकरी लगभग ₹२५,००० से ₹३०,००० तक बिकती है। लगभग ₹१५,००० हजार की मिश्रीत नसल की बकरी लगभग ₹१०,००० से ₹१५,००० तक बिकती है।

✓ शुद्ध नसल की बकरियां रखने से अन्य व्यावसायिक अवसर मिलते हैं - जैसे, गर्भाधान प्रक्रियाओं के लिए नर बकरियों को किराए पर लेना।



सिरोही नस्ल की पहचान कैसे करें

तेजी से बढ़ने वाली बकरी की नसों और निम्नलिखित पहलुओं के बीच का संतुलन देखें:

✓ मीट ✓ दूध ✓ स्थानीय स्थितियों में कैसे रह पाती हैं? ✓ बाजार में उसकी मांग

उत्तर-पश्चिम भारत के अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के लिए:

तोतापुरी

✗ कम दूध देती है

देसी बकरी

✓ ज्यादा दूध देती है

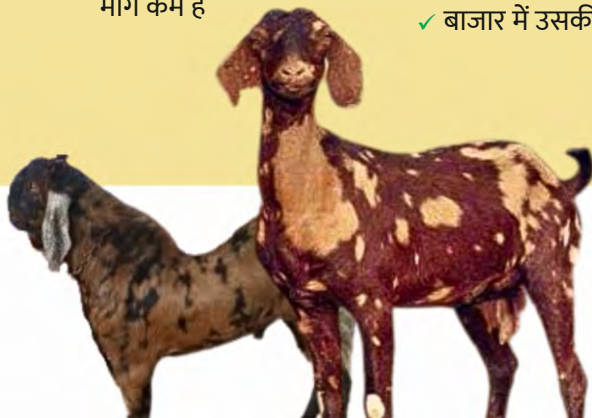
✗ मांस कम है और बाजार में मांग कम है

सिरोही नस्ल

✓ ज़्यादा मीट देती है

✓ ज़्यादा दूध देती है

✓ बाजार में उसकी मांग





शुद्ध नस्ल की प्रजनन प्रक्रिया

इब्निदा ने इसे अलवर में लगभग २,००० बकरीपालकों के साथ लागू किया है। उत्तर भारत में कम आय वाले क्षेत्रों के लिए बकरी की नस्ल शुद्धता एक उत्तम तकनीक है इस तकनीक को सही नस्लों की बकरियों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस प्लेबुक में हम सिरोही नस्ल का उदाहरण ले रहे हैं।

इन चरणों का पालन करें

०१

सिरोही बकरा लाना

बाज़ार से एक शुद्ध नसल का बकरा खरीद के लाना

खंदे में कम-से-कम सिरोही बकरा शामिल करना



इन चरणों का पालन करें

02

दूसरे बकरों का बधियाकरण

खंदे में बकरा लाने से बच्चे पैदा होंगे।
जितने भी नर बच्चे पैदा हुए उनका
बधियाकरण करना चाहिए।

नहीं तो, ये मिश्रित नसल के बकरे मादा
बकरी के साथ क्रॉस (संभोग) करेंगे और
इस से मिश्रित नसल के बच्चे पैदा होंगे।

बधियाकरण दो तरीकों से किया जा सकता है:

- कास्ट्रेशन मशीन के उपयोग से नसल को ब्लॉक कर देना। बाजार में ₹२,०००-५,००० में मिलता है।
- जानवरों के स्थानीय डॉक्टर के द्वारा भी बकरो का बधियाकरण ५-१० मिनट में किया जा सकता है। कीमत लगभग ₹५०-१००।



इन चरणों का पालन करें

03

बधियाकरण के बाद देख रेख।

- नर बकरो का बधियाकरण १.५ - ३ महीने की उम्र में कर देना चाहिए।
- अगर कट गया या घाव हो गया तो बीटाडीन लगाएं। दर्द कम करने के लिए बकरो को दर्द का इंजेक्शन दे।
- बकरो को 10-20 उल्टे कदम चलाएँ, जिससे उसके खून का संचार बेहतर हो जाए - बांध हो जाए।
- सतर्क नज़र रखें। चराते समय, सतर्क रहे कि आपकी बक्रिया दूसरी नसलो से दूर रहे।



समयावधि

बकरियां हर १४ महीने में २-३ बार गर्भवती होती हैं। अगर सही कदम लिए जाएं तो तीन पीढ़ियों में शुद्ध नस्ल की बकरियां मिल जाएंगी।

वर्ष १



0% शुद्ध
नस्ल

खंदे में १ शुद्ध नस्ल का बकरा लाना

वर्ष २



५०% शुद्ध
नस्ल

वर्ष ३



१००% शुद्ध
नस्ल



कीमत-लाभ विप्लेशान

बधियाकरण से बकरे जल्दी बढ़ते हैं, जिस से ज्यादा फायदा होता है। बधियाकरण किए हुए बकरे जब १० महीने के होते हैं तो उन्हें बेच दिया जाता है। गैर-बधियाकरण किए हुए बकरे की तुलना में बधियाकरण किए हुए बकरे दोगुनी कीमत में बिकते हैं।

↓ निवेश

एक शुद्ध नस्ल बकरे की खरीद: ₹२०,०००

बधियाकरण: लगभग ₹३००-५००. यह मानते हुए कि दूसरे नस्लों के लिए कीमत ₹५० प्रति बकरा है.

↑ लाभ

२० शुद्ध नसल के बकरे-बकरिया

नर: १०

मादा: १०



कीमत-लाभ विश्लेषण

मिश्रित नस्ल

प्रत्येक बकरे की बिक्री:	रु. ७,०००
प्रत्येक बकरी की बिक्री:	रु. ५,०००
मुनाफा:	रु. १.२ लाख

शुद्ध नस्ल

प्रत्येक बकरे की बिक्री:	रु. १५,०००
प्रत्येक बकरी की बिक्री:	रु. ६,०००
मुनाफा:	रु. २.१ लाख



संसाधन व्यक्ति

श्योराम योगी

बकरी पालन विशेषज्ञ, इबतदा

९५४९८७६५५६

Documentation Partner



Knowledge Partner



Supported by



नवंबर २०२५